ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-६४ **टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६**
दिनांक-शुक्रवार,११ अगस्त,२०१७

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.५ एवं २५.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९६ सुबह में एवं दोपहर में ८० प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन २.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २९.० एवं दोपहर में ३३.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ९५.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१२-१६ अगस्त,२०१७)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १२-१६ अगस्त,२०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

१. मानसूनी रेखा के हिमालय के करीब आने के कारण मानसून के सक्रिय होने से उत्तर बिहार के तराई तथा मैदानी भागों के जिलों में अगले २४ घंटों तक अच्छी वर्षा की संभावना है। इसके चलते अनेक स्थानों पर अगले २४ घंटों में मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है। आमतौर पर ज्यादातर स्थानों मे हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।
२. अधिकतम तापमान २८ से ३१ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है, जबकि न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।
३. औसतन ६ से ८ कि० मी० प्रति घंटा की गति से पुरवा हवा चलने की संभावना है।
४. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ७० से ७५ प्रतिशत रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- किसान भाईयो को सलाह दी जाती है कि विगत वर्षा के होने से खड़ी फसलों अथवा नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सकें।
- धान की फसल जो २०-२५ दिन की हो गई हो, उसमें प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें। धान की फसल से खरपतवार निकालने का कार्य करें।
- आम का साटा तथा लीची, अमरूद एवं नींबू की गूटी तैयार करें। फलदार एवं वानिकी पौधो को लगाने का यह समय उपयुक्त चल रहा है। किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार फलदार पौधें का बगाान जैसे- *आम, लीची, कटहल, ऑवला, अमरुद, शरीफा, नींबु* की रोपनी करें। वानिकी पौधो जैसे- *सागवान, चह, हरा सेमल, देशी सेमल, सफेद सिरीस, काला सिरीस, अर्जुन, गम्हार, गुलमोहर* की रोपनी करें।
- जिन किसान भाई के पास खरीफ प्याज का बिचड़ा तैयार है वे उथली क्यारियाँ बनाकर पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपनी करें। क्यारियों की चौड़ाई २ मीटर एवं लम्बाई ३ से ५ मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें।
- इस मौसम मे मिर्च की फसल में मिर्च के पौधे विषाणु रोग से ग्रसित हो कर इनके पत्तियॉ का आकार टेढ़ा-मेढ़ा हो जाती है। रोग के फैलाव को रोकने के लिए ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे।
- बरसात के मौसम में दूधारू पशुओं को हरे चारे के साथ-साथ सूखा चारा (५०:५०) के अनुपात में खिलायें तथा २०-३० ग्राम खनिज मिश्रण व नमक प्रतिदिन दें। मवेशियों को संक्रामक रोगों से बचाने के लिए पशु चिकित्सक की सलाह से टीकाकरण करावें। पशुओ के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे।

आज का अधिकतम तापमानः ३०.५ डिग्री सेल्सियस	आज का न्यूनतम तापमान :२६.० डिग्री सेल्सियस

(ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी